

DR.MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR
PATORY,SAMASTIPUR
B.A –PART 1 PSYCHOLOGY (SUB)

LECTURE - 3

VISUAL PROCESS

दृष्टि संवेदना

VISUAL SENSATION –CHARACTERISTICS(दृष्टि संवेदना की विशेषता)

दृष्टि संवेदना की उत्तेजना प्रकाश होता है जिसे आँखों की रेटिना में ग्राहक को ग्रहण करते हैं ।दृश्य उत्तेजनाओ के ग्राहक अवयव हमारी आँखे होती है ।

रंगों की संवेदना में कुछ विशिष्ट विशेषताये होती है ।

- (1) वर्ण (HUE)-वर्ण का प्रत्यक्षण रोशनी के wave length(तरंगदैध्य)पर निर्भर करता है । wave length की माप नैनोमीटर में किया जाता है जो एक मीटर का एक अरब भाग होता है ।सबसे छोटा wave length जिसमे व्यक्ति देख पाता है करीब 400 नैनोमीटर का होता है और इससे वैगनी (VIOLET) वर्ण का प्रत्यक्षण होता है ।सबसे बड़ा wave length जिसका प्रत्यक्षण व्यक्ति कर पाता है वह 700 से 800 नैनोमीटर का होता है और इससे व्यक्ति को लाल वर्ण का प्रत्यक्षण होता है । इन दोनों सीमाओं के बिच के wave length के सहयोग से अन्य रंगों का प्रत्यक्षण होता है ।
- (2) चमक या द्रिप्ती (BRIGHTNESS)- चमक से तात्पर्य इस बात से होता है की रंग या वर्ण कितना हल्का या गहरा है।दुसरे शब्दों में कहा जा सकता है की चमक से रंग की तीव्रता

का पता चलता है। व्यक्ति को चमक का प्रत्यक्षण wave length के विस्तार पर निर्भर करता है। अगर किसी ख़ास wave length का विस्तार कम होगा तो रंग कम तीव्र दिख पड़ेगा तथा जब wave length का विस्तार अधिक होगा, तो रंग अधिक तीव्र दीख पड़ेगा। ध्यान रहे की wave length के विस्तार में परिवर्तन होने से रोशनी के वर्ण या रंग में कोई परिवर्तन नहीं होता है।

- (3) संतृप्ति (SATURATION)- संतृप्ति से तात्पर्य प्रकाश तरंगों की पवित्रता से है। पूर्ण संतृप्त रंग वह होता है जिसमें उस रंग के वर्ण की अधिकतम मात्रा रहती है और उजला या भूरा दोनों प्रकार के रंगों का वर्ण लगभग एक ही रहता है, लेकिन गुलाबी रंग अपेक्षा- कृत कम संतृप्त होता है, जबकि गहरे लाल रंग की संतृप्ति अधिक होती है। कोई रंग कितना गहरा या हल्का है, उसका अनुभव उसकी संतृप्ति के आधार पर ही किया जाता है। इसे एक उदाहरण से समझ सकते हैं - एक ग्राम रंग में आप एक ग्लास पानी मिलाये। उसके बाद उतने ही रंग में दो ग्लास पानी मिलाये। अब इन दोनों रंगों के घोल का निरक्षण करे। आप पायेंगे की पहला घोल दुसरे से अधिक गाढ़ा, अर्थात गहरा है। इसका कारण यह है की पहला घोल अधिक संतृप्त है और दूसरा घोल कम संतृप्त। लेकिन, इन दोनों घोलों का वर्ण एक ही है। इस प्रकार स्पष्ट है की किसी रंग की स्पष्टता या गहरापन ही उसकी संतृप्ति का सूचक है।